शिक्षा संस्कार ॐ सहभागिता समरसता

बांसवाड़ा परियोजना

कार्यालय -भारत माता मन्दिर, राती तलाई, बांसवाड़ा (राज.) 327001
फेक्स : 02962-240018, फोन नं. 02962-240018, मो. नं. 9414101912, 9414102261
Email : bharatmatamandirnyas@gmail.com ♦ Website : www.banswarapariyojana.com

माह - जून 2019 अंक- 010

माही बजाज सागर परिक्रमा

बांसवाडा परियोजना विगत कई बर्षो से राजस्थान के जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में शिक्षा, संस्कार,और स्वावलम्बन के मूल मंत्र के साथ स्थानीय समाज की सहभागिता के आधार पर शिक्षा क्षेत्र में बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। इसके साथ ही जनजाति समाज के बंधुओं में भारतीय संस्कृति,धार्मिक, पर्यावरण और राष्ट्रीय महत्व के बिषयों पर जागरण हेतु पदयात्रायें, सांस्कृतिक और पारम्परिक विरासत के संवर्धन हेतु उत्सव, देश के प्रमुख तीर्थो के दर्शन हेतु यात्राओं सहित आवश्यकतानुसार अन्य कई कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है।

माही माता परिक्रमा :- माही नदी राजस्थान की दूसरी सबसे बडी नदी है,और इसी माही नदी पर बांसवाडा में राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा बांध माही बजाज सागर बना हुआ है, जिससे 1.00 लाख हेक्टेयर से भी अधिक भूमि में सिंचाई हो रही है, जिससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति अच्छी हुई है। माही नदी का त्रिवेणी संगम क्षेत्र की दो प्रमुख नदियों सोम,व जाखम के साथ बेणेश्वर धाम पर होता है। इस क्षेत्र का सम्पूर्ण हिन्दू समाज माही नदी को गंगा माता की तरह पवित्र और बेणेश्वर धाम को तीर्थराज प्रयागराज की तरह तीर्थस्थान मानता है। हिन्दू समाज (जनजाति समाज भी) अपने पूर्वजों का तर्पण यहीं करता है। पर्यावरण संरक्षण के लिये हमारे पूर्वजों द्वारा नदी,वनों के संवर्धन के लिये इनको देवस्वरूप देकर जनमानस में प्रकृति के प्रति श्रद्धाभाव जाग्रत किया गया,यह श्रद्धाभाव जनमानस में और सुद्दढ हो इसके लिये विगत चार बर्षो से गंगा दशहरा के अवसर पर माही बजाज सागर की 125 कि.मी.(बांध का भराव क्षेत्र) की पैदल परिक्रमा का आयोजन किया जाता है,जिसमें क्षेत्र के साधू संत, महिलायें, पुरूष और बच्चे समय पर अच्छी बारिश के लिये माही माता (गंगा माता) से प्रार्थना करते है। इस बर्ष भी माननीय रामस्वरूप जी महाराज के नेतृत्व स्थानीय संतों व ग्रामवासियों की माही बजाज सागर की 125 कि.मी.(माही बांध का भराव क्षेत्र) की पांच दिन की पैदल परिक्रमा दिनांक 8 जून 2019 को भारत माता मंदिर बांसवाडा से प्रारम्भ हुई और दिनांक 12 जून 2019 को माही नदी के किनारे स्थापित (गेमन पुल पर) माही माता मंदिर पर महिलाओं की कलश यात्रा ,धर्मसभा व महाप्रसादी के साथ परिक्रमा का समापन हुआ। धर्मसभा में संतों द्वारा जल श्रोतों (नदी,नालों) वनों को देवस्वरूप बताते हुये उनके संरक्षण करने के लिये समाज को प्रेरित किया गया।

- परिक्रमा - 125 कि.मी. (लगभग)
- परिक्रमा 29 गांवों से गुजरी ।
- रात्रि विश्राम - 4 गांवों में ।
- सहभागिता - 60 से अधिक गांवो के 3500 महिलायें,पुरूष व बच्चे (लगभग)
- कलश यात्रा - कलश यात्रा में जनजाति समाज की 500 से अधिक महिलाएं ।
- धर्मसभा :- धर्मसभा में 2000 (लगभग) महिलायें,पुरूष वबच्चे ।
- व्यबस्थाएं :- यात्रा में खाने, पीने, रहने की व्यवस्था ग्रामवासियों द्वारा की गई ।
- कार्यक्रम :- माही माता (माही नदी) का पूजन संतो के प्रवचन,भजनमण्डली पर्यावरण संरक्षण के लिये संकल्प।

पदयात्रा एक गांव से दूसरे गांव जा रही है।

मान् रामस्वरूप जी महाराज परिक्रमा मार्ग के एक गांव में ग्रामवासियों से पर्यावरण संरक्षण के बारे में बातचीत कर रहे हैं।

धर्मसभा में मंचासीन पूज्य संत एवम् ग्रामवासी ।

Subscribe | Past Issues | Translate ▼

Our mailing address is:
BHARATMATAMANDIRNYAS@GMAIL.COM

Want to change how you receive these emails?
You can update your preferences or unsubscribe from this list.

This email was sent to <<Email Address>>
why did I get this? unsubscribe from this list update subscription preferences
Bharat mata mandir · Bharat mata mandir · rati talai · Delhi, 110009 · India

INTUIT mailchimp